पुस्तक समीक्षा

प्रयोगात्मक शिक्षा मनोविज्ञान

लेखक— हंसराज पाल, राजेन्द्र पाल, राकेश देवड़ा
प्रकाशक— हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय
मूल्यः ₹150.00
पृ. सं: 354

मनोविज्ञान विषय के अंतर्गत विद्यार्थी, शोधक एवं शिक्षक मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित प्रयोग कर उनकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में व्यवहारिक रूप में उपयोगिता ज्ञात करते हैं। इस कार्य के लिए ''प्रयोगात्मक शिक्षा मनोविज्ञान'' एक बहुत उपयोगी पुस्तक होगी। जो सीनियर सेकेंडरी, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की विभिन्न शाखाओं के अंतर्गत मनोविज्ञान विषय पढ़ने वाले विद्यार्थियों, शोधकों, शिक्षकों, चिकित्सकों, निर्देशन एवं परामर्शदाताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर लिखी गई है।

इस पुस्तक की विषयवस्तु सात अध्यायों में दी गई है तथा पाठकों को विषयवस्तु में आए तकनीकी शब्दों की बोधगम्यता हेतु पुस्तक के अंत में हिंदी-अंग्रेज़ी शब्द-सूची दी गई है। इसका आवरण पृष्ठ सुंदर एवं आकर्षक है, जिसमें फोटोग्राफ़ी द्वारा लिया गया शिक्षण-अधिगम सामग्री से सुसज्जित पूर्व-प्राथमिक कक्षा में अध्ययनरत बालकों एवं शिक्षिका का चित्र दिया गया है। पुस्तक का आकार 21×13 से.मी. है, जो 354 पृष्ठ सहित छोटा तथा सुविधाजनक है। पुस्तक में अच्छी गुणवत्ता का कागज़ प्रयुक्त किया गया है तथा मुद्रण भी स्पष्ट है। पुस्तक में विषय-वस्तु का क्रमबद्ध चयन, संगठन एवं प्रस्तुतीकरण दिया गया है। विषय-वस्तु के अनुरूप अर्थपूर्ण चित्र एवं रेखाचित्र, सरल भाषा का उपयोग पुस्तक को प्रभावी एवं रुचिपूर्ण बनाने में सहायक है।

पुस्तक के प्रथम अध्याय में मनोविज्ञान का अर्थ, स्वरूप, परिभाषाएँ तथा शाखाएँ/क्षेत्र दिए गए हैं। मनोविज्ञान की 16 शाखाएँ/क्षेत्रों का संक्षिप्त वर्णन पाठकों को मनोविज्ञान की प्रत्येक शाखा को समझने में मदद करेगा।

प्रयोगात्मक-मनोविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास, प्रयोग एवं परिवर्ती, पुस्तक के द्वितीय अध्याय में दिए गए हैं। प्रयोगात्मक-मनोविज्ञान का उद्‌गम तथा 19वीं शताब्दी के बाद विश्व में तेज़ी से हुए विकास का संक्षिप्त वर्णन दिया गया है। चूँकि पुस्तक का शीर्षक ''प्रयोगात्मक शिक्षा मनोविज्ञान" होने के कारण इसमें मनोवैज्ञानिक प्रयोग का अर्थ, परिभाषाएँ तथा उनके प्रकारों की

विषय-वस्तु दी गई है। बिना परिवर्तियों के प्रयोग करना असंभव है, अतः पुस्तक में परिवर्ती का अर्थ, परिभाषाएँ तथा परिवर्तियों के प्रकारों का उदाहरणपूर्वक वर्णन किया गया है।

तृतीय अध्याय मनोवैज्ञानिक परीक्षणों पर आधारित है। इसमें मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का अर्थ, परिभाषाओं तथा इतिहास को विदेशी एवं भारतीय परिदृश्य में बढ़ते हुए क्रम में संक्षिप्त रूप में लिखा गया है। जब किसी विद्यार्थी या शिक्षक को किसी मनोवैज्ञानिक परीक्षण का चयन करना हो, तो उसकी विशेषताओं जैसे-विश्वसनीयता, वैधता, वस्तुनिष्ठता, व्यापकता तथा व्यवहार-योग्यता का ज्ञान होना आवश्यक है। इसी बात का ध्यान रखते हुए लेखकों ने मनोवैज्ञानिक परीक्षण की विशेषताओं का अर्थ एवं परिभाषाएँ उदाहरण देते हुए लिखी हैं। इसके साथ ही, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का चयन, देश एवं विदेशों में मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के प्रकाशकों/वितरकों की सूची, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का प्रशासन एवं फलांकन को सार्थकतापूर्वक उदाहरण सहित प्रस्तुत किया है।

शिक्षा मनोविज्ञान में प्रायोगिक कार्य पुस्तक का चतुर्थ अध्याय है। इस अध्याय में लेखकों ने प्रयोग एवं प्रायोगिक कार्य में अंतर, शिक्षा मनोविज्ञान में प्रायोगिक कार्य एवं प्रकारों जैसे-शिक्षा मनोविज्ञान के किसी तथ्य/नियम/सिद्धांत तथा शिक्षा मनोविज्ञान की किसी संकल्पना पर आधारित प्रायोगिक कार्य पर एक-एक उदाहरण सहित सरल तरीके से समझाते हुए लिखा है। इसके अलावा शिक्षा मनोविज्ञान में प्रायोगिक कार्य की विशेषताएँ व महत्त्व, प्रायोगिक कार्य की सीमाएँ एवं दोष तथा शिक्षा मनोविज्ञान एवं प्राकृतिक विज्ञानों के प्रायोगिक कार्यों में अंतर को भी स्पष्ट रूप में लिखा है।

पंचम् अध्याय में प्रायोगिक प्रतिवेदन लेखन दिया गया है। विद्यार्थियों, शोधकों एवं शिक्षकों के सामने शिक्षा मनोविज्ञान में प्रायोगिक कार्य करने के पश्चात् प्रतिवेदन लेखन एक चुनौती होती है। इसी चुनौती को आसान करने के लिए लेखकों द्वारा प्रायोगिक प्रतिवेदन लेखन बिंदुवार, सरल एवं व्यावहारिक भाषा में उदाहरणपूर्वक इस अध्याय में लिखा है।

आकलन आधारित प्रयोग षष्ठम् अध्याय में दिया गया है। इस अध्याय में शिक्षा मनोविज्ञान की 12 संकल्पनाओं, जैसे-शैक्षिक रुचि, व्यावसायिक रुचि, विद्यालयीन समायोजन, शाब्दिक बुद्धि, अशाब्दिक बुद्धि, भाटिया बुद्धि निष्पादन परीक्षणमाला, शाब्दिक सृजनात्मकता, अशाब्दिक सृजनात्मकता, व्यक्तित्व, प्रसंग बोध परीक्षण, अध्यापन अभिक्षमता तथा विभेदात्मक अभिक्षमता परीक्षण पर आधारित प्रयोगों का विस्तृत विवरण दिया गया है। जिसमें लेखकों द्वारा प्रत्येक संकल्पना का परिचय, पूर्व शोध परिणाम एवं प्रायोगिक प्रतिवेदन (पंचम् अध्यायः प्रायोगिक प्रतिवेदन लेखन के अनुसार) उदाहरण सहित दिया गया है।

इसी प्रकार सप्तम अध्याय में सिद्धांत आधारित प्रयोग लिखे गए हैं। इन सिद्धांतों में अधिगम/प्रशिक्षण का स्थानांतरण, तात्कालिक स्मृति विस्तार, ज़ायगर्निक प्रभाव, पावलोव का पुरातन अनुबंधन का सिद्धांत, स्कीनर का सक्रिय अनुबंधन का सिद्धांत, टॉलमैन का चिह्न अधिगम का सिद्धांत, प्याजे का संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत एवं व्यक्ति अध्ययन के बारे में विस्तृत व्याख्या करते हुए लिखा गया है। लेखकों ने प्रत्येक सिद्धांत की विस्तृत व्याख्या करते हुए परिचय, पूर्व शोध परिणाम एवं प्रायोगिक प्रतिवेदन

उदाहरण सहित लिखे हैं। षष्ठम् अध्याय: आकलन आधारित प्रयोग एवं सप्तम अध्याय: सिद्धांत आधारित प्रयोग, शिक्षा संकाय के विद्यार्थियों, शोधकों एवं शिक्षकों के लिए बहुत ही उपयोगी एवं लाभदायक होंगे।

शिक्षा मनोविज्ञान, शिक्षा संकाय का एक आधारभूत विषय होने के कारण विद्यार्थियों, शोधकों एवं शिक्षकों को शिक्षा मनोविज्ञान की संकल्पनाओं एवं सिद्धांतों पर आधारित प्रायोगिक कार्य करना अनिवार्य होता है। इस हेतु उन्हें यह पुस्तक अच्छी मदद करेगी। इस पुस्तक में लेखकों ने शिक्षा मनोविज्ञान के प्रायोगिक पक्ष को गंभीरतापूर्वक लिखते हुए विषय-वस्तु का क्रमबद्ध चयन, संगठन एवं प्रस्तुतीकरण किया है। विषय-वस्तु के अनुरूप अर्थपूर्ण चित्र एवं रेखाचित्र, सरल भाषा का उपयोग पुस्तक को प्रभावी एवं रुचिपूर्ण बनाने में सहायक हैं। लेकिन संदर्भ ग्रंथों की सूची 17 पृष्ठों में दी गई हैं। जिससे पुस्तक लेखन में लिए गए सार्थक संदर्भ ग्रंथ की पहचान करने में कठिनाई होगी। अत: संदर्भ ग्रंथों की सूची में केवल वही संदर्भ ग्रंथ हों, जो वास्तव में पुस्तक लेखन में प्रतिनिधित्व करते हों। विषयवस्तु में आए तकनीकी शब्दों की बोधगम्यता हेतु पुस्तक के अंत में हिंदी-अंग्रेज़ी शब्द-सूची दी गई है, जो हिंदी माध्यम के पाठकों के साथ-साथ अंग्रेज़ी माध्यम के पाठकों को पुस्तक पढ़ने में योगदान देगी।

''प्रयोगात्मक शिक्षा मनोविज्ञान'' पुस्तक, शिक्षा संकाय के विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं एवं शिक्षकों को शिक्षण-अधिगम के विभिन्न मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों एवं परिवर्तियों का व्यावहारिक रूप में अध्ययन एवं आकलन करने में मददगार साबित होगी।

जितेन्द्र सिंह पाटीदार
सहायक प्राध्यापक
अध्यापक शिक्षा विभाग
एन.सी.ई.आर.टी.
नयी दिल्ली-110016